B. Com – III By. Dr. Manoj Kumar

Fund Flow Statement
(कोष-प्रवाह विवरण)

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की नवीनतम तकनीक कोष-प्रवाह विश्लेषण है। इस विधि के द्वारा कोष-प्रवाह विवरण बनाकर यह देखा जाता है कि वित्तीय वर्ष के अन्तर्गत किसी व्यावसायिक संस्था को किन-किन स्रोतों से कोष प्राप्त हुये तथा इन कोषों का प्रयोग वर्ष में किस प्रकार किया गया।

यद्यपि किसी संस्था के चिट्ठे को देखकर उसकी वित्तीय स्थिति की जानकारी प्राप्त हो जाती है। किन्तु चिट्ठा किसी विशेष तिथि की वित्तीय स्थिति की जानकारी देता है। वर्ष में सम्पत्तियों व दायित्वों में क्या परिवर्तन हुये और इन परिवर्तनों का क्या प्रभाव पड़ा इसकी जानकारी चिट्ठे से प्राप्त नहीं होती। इस जानकारी के लिये जो विवरण बनाये जाते हैं उसे वित्तीय स्थिति में परिवर्तनों का विवरण (Statement of change in Financial Position) या कोष-प्रवाह विश्लेषण (Fund Flow - Analysis) कहते हैं।

Scanned with CamScanner

कोष का अर्थ (Meaning of Fund)

कोष का अर्थ संस्था मे लगे कार्यशील कोषों से है जिनमे दिन-प्रतिदिन परिवर्तन होते रहते है। किसी संस्था में लगी चालू सम्पत्तियो जैसे स्टॉक, देनदार, रोकड़ बैंक शेष, पूर्वदत्त व्यय आदि तथा चालू दायित्व जैसे लेनदार बैंक अधिविकर्ष, अदत्तव्यय एवं अल्पकालीन व्यय प्रति दिन परिवर्तित होते है। इन सम्पत्तियो और दायित्वो मे संस्था की जितनी पूंजी लगी होती है उसे कार्यशील कोष (Working Funds) कहा जाता है। चालू सम्पत्तियो मे लगी पूँजी का कुछ भाग चालू दायित्वो से प्राप्त होता है तथा शेष संस्था को अपने स्त्रोतो से जुटाना होता है। इस प्रकार चालू संम्पत्तियो मे लगी कुलधनराशि मे से चालू दायित्वो से प्राप्त कुल राशि घटाकर शेष बची धनराशि कार्यशील पूँजी कहलाती है। इस कार्यशील पूँजी मे लगी हुई धनराशि को कोष (Fund) कहते है।

कुछ व्यक्ति कोष का अर्थ केवल रोकड़ मानते है। ये कोष का अति संकुचित अर्थ है जो रोकड़ प्रवाह विवरण (Cash flow statement) बनाने

Scanned with CamScanner

की दृष्टि से उचित है। इसके विपरीत कुछ व्यक्ति संस्था में विनियोजित कुल पूँजी (Total Capital Employed) को कोष मानते है।

→ कोष = शुद्ध कार्यशील पूँजी = कुल चालू सम्पत्ति — कुल चालू दायित्व
Fund = Networking Capital = Total Current Assets — Total Current Liabilities

प्रवाह का अर्थ — प्रवाह का अर्थ बहाव होता है जिसका अर्थ है किसी चीज का आना या जाना अर्थात परिवर्तन से है। कोष प्रवाह की दृष्टि से प्रवाह का अर्थ है कार्यशील पूँजी मे परिवर्तन यदि देनदार से रोकड़ प्राप्त हुई तो देनदारो की राशि कम हो जायेगी और उसी राशि से रोकड़ बढ जायेगी। इस प्रकार चालू सम्पत्ति मे कोई परिवर्तन नही हुआ और कार्यशील पूँजी की मात्रा में भी कोई कमी या वृद्धि नही हुई। अतः चालू सम्पत्ति या चालू दायित्व मे पारस्परिक परिवर्तन से कार्यशील पूँजी में कोई परिवर्तन नही होता और इसे प्रवाह नही माना जा सकता। किन्तु यदि दीर्घकालीन ऋण लिया जाये तो प्राप्य रोकड़ से चालू सम्पत्ति में वृद्धि होगी

Scanned with CamScanner

किन्तु चालू दायित्व मे कोई परिवर्तन नही होगा। इस प्रकार शुद्ध कार्यशील पूँजी में वृद्धि हो जाती है। अत: ऋण लेना कोष या कार्यशील पूँजी का स्त्रोत हुआ।

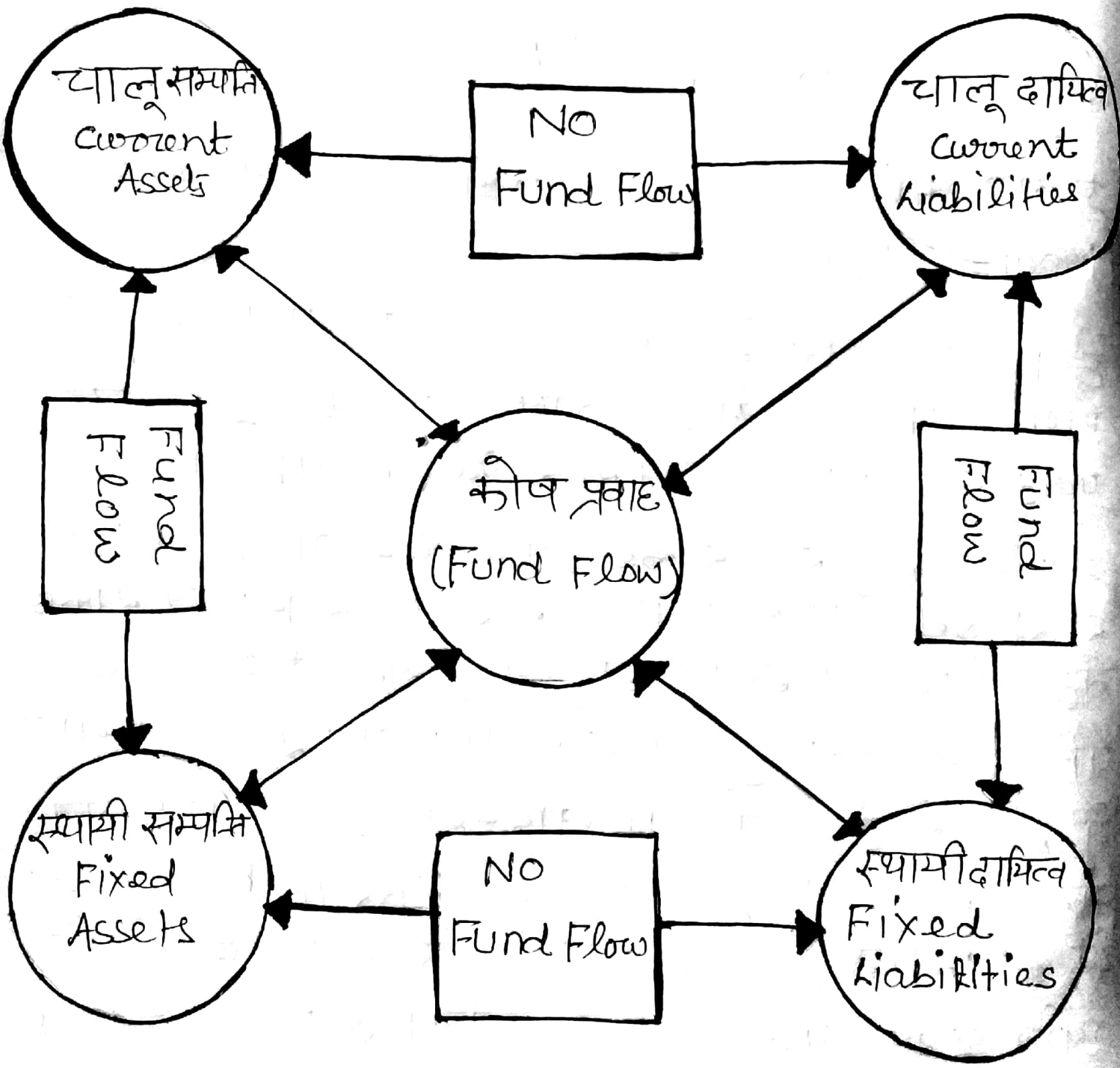

Scanned with CamScanner

कोष प्रवाह के नियम

(1) चालू सम्पत्ति और स्थायी दायित्व के मध्य व्यवहार

(2) चालू सम्पत्ति और स्थायी सम्पत्ति के मध्य व्यवहार

(3) चालू दायित्व और स्थायी दायित्व के मध्य व्यवहार

(4) चालू दायित्व और स्थायी सम्पत्ति के मध्य व्यवहार

Scanned with CamScanner